

वन विज्ञान केंद्र (वीवीके), मिजोरम के  
अंतर्गत दो दिवसीय हरित कौशल प्रशिक्षण:  
खाद बनाने और मधुमक्खी पालन का  
परिचय

Two-day Green Skills Training:  
Introduction to Composting and  
Apiculture under Van Vigyan  
Kendra(VVK), Mizoram



05<sup>th</sup> to 06<sup>th</sup> March 2026  
ICFRE-BRC, Aizawl, Mizoram



कृपया अपना संस्करण चुनें/ Please choose your version

[हिन्दी संस्करण](#)

[English Version](#)

Organized by:

I.C.F.R.E.-Bamboo & Rattan Centre, Aizawl, Mizoram  
(A unit of I.C.F.R.E.-R.F.R.I., Jorhat, Assam)

## संक्षिप्त विवरण

आयोजन का नाम	वन विज्ञान केंद्र (वीवीके), मिजोरम के अंतर्गत दो दिवसीय हरित कौशल प्रशिक्षण: खाद बनाने और मधुमक्खी पालन का परिचय
तिथि	05.03.2026 से 06.03.2026 तक
अवधि	2 दिन
कार्यक्रम का स्थान	भा.वा.अ.शि.प.-ब.बें.कें., आइजोल, मिजोरम
प्रतिभागियों की संख्या	20
भाग लेने वाली संस्था	बेथलेहेम वेंगथलांग की स्थानीय महिलाएँ
आयोजन करने वाली संस्था	भा.वा.अ.शि.प. – बांस एवं बेंत केंद्र, बेथलहम वेंगथलांग, आइजोल, मिजोरम
अनुदान देने वाली संस्था	भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (भा.वा.अ.शि.प.), देहरादून (कैम्पा विस्तार के अंतर्गत)
सम्मानित अतिथि	श्रीमती पी.सी. वनलालपेकी, कोषाध्यक्ष, स्थानीय परिषद, बेथलहम वेंगथलांग
मुख्य अतिथि	श्री जे.एच. लालबियाक्लियाना, सीईओ, मिजोरम खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड



## विस्तृत विवरण

**भा.वा.अ.शि.प. – बांस एवं बेंत केंद्र**, आइजोल ने **वन विज्ञान केंद्र** (वीवीके), आइजोल के अंतर्गत **5 से 6 मार्च 2026** तक '**कम्पोस्टिंग और मधुमक्खी पालन का परिचय**' विषय पर दो दिवसीय हरित कौशल प्रशिक्षण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कम्पोस्टिंग और मधुमक्खी पालन में कौशल विकास के माध्यम से स्थायी आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देना था। आइजोल के बेथलहम वेंगथलांग इलाके से कुल 20 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

### **दिवस-1 (05.03.2026)**

उद्घाटन सत्र:

कार्यक्रम का शुभारंभ **श्री संदीप यादव**, वैज्ञानिक-डी और प्रमुख, भा.वा.अ.शि.प.-ब.बें.कें. के स्वागत भाषण से हुआ, जिन्होंने केंद्र की चल रही गतिविधियों और वैज्ञानिक एवं समुदाय-उन्मुख हस्तक्षेपों के माध्यम से स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

मुख्य भाषण **डॉ. नितिन कुलकर्णी**, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.-वर्षावन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट द्वारा ऑनलाइन माध्यम से दिया गया। उन्होंने कृषि के साथ अपशिष्ट प्रबंधन को एकीकृत करने के पारिस्थितिक महत्व पर जोर दिया, विशेष रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रकाश डाला:

- मिट्टी की सेहत सुधारने और जैविक खेती को बढ़ावा देने में वर्मीकम्पोस्टिंग की भूमिका।
- जैव विविधता बनाए रखने और कृषि उत्पादकता बढ़ाने में परागणकर्ताओं के रूप में मधुमक्खियों का महत्व।
- औषधीय और स्वास्थ्य क्षेत्रों में शहद का बढ़ता महत्व।

### **गणमान्य व्यक्तियों के संबोधन:**

विशिष्ट अतिथि, **श्रीमती पी.सी. वनलालपेकी**, कोषाध्यक्ष, स्थानीय परिषद, बेथलहम वेंगथलांग, ने प्रतिभागियों को स्वरोजगार और आर्थिक स्वतंत्रता के अवसरों के रूप में हरित कौशल का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया और कौशल-आधारित आजीविका के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया।

मुख्य अतिथि, मिजोरम खादी और ग्राम उद्योग बोर्ड (एमकेवीआईबी) के सीईओ **श्री जे.एच. लालबियाकलियाना** ने मिजोरम भर में मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए बोर्ड की पहलों के बारे में बताया। उन्होंने उत्पादकता और स्थिरता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी बताया कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए मिजोरम सरकार की 'सहयोग नीति' के तहत मधुमक्खी पालन को प्राथमिकता दी गई है। सत्र का समापन भा.वा.अ.शि.प.-ब.बें.कें. के वैज्ञानिक-बी **श्री सुभाप्रदा बेहरा** द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

तकनीकी सत्र:

'अपशिष्ट से धन और स्वास्थ्य: घरेलू खाद के माध्यम से एक सतत दृष्टिकोण' विषय पर भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी **श्री राजर्षि भट्टाचार्य** ने विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें उद्यमिता के विकास के माध्यम से चक्रीय अर्थव्यवस्था द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन के मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। खाद बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण के.वी.के., आइजोल के फार्म मैनेजर **श्री लालवेनसांगा पचुआ** द्वारा आयोजित किया गया।

### **दिवस-2 (06.03.2026)**

दूसरे दिन, प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन के प्रमुख पहलुओं, जैसे मधुमक्खी प्रबंधन, छत्ते की देखभाल और शहद उत्पादन पर गहन प्रशिक्षण दिया गया। तकनीकी सत्र का संचालन आईटीआई के मास्टर मधुमक्खी पालक **श्री मालसावमतलुआंगा** ने किया, जिन्होंने मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में बहुमूल्य व्यावहारिक जानकारी और अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एक प्रतिक्रिया सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और अर्जित कौशल को लागू करने में विश्वास व्यक्त किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए, जो प्रशिक्षण के सफल समापन का प्रतीक था।

# पहले दिन की झलकियां



चित्र १: अ-ह: उद्घाटन सत्र की झलकियाँ

## पहले दिन की झलकियाँ: तकनीकी सत्र



अ



ब



स



द



इ



फ



ग



ह

चित्र १: अ-ह: व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र की झलकियाँ

## दूसरे दिन की झलकियाँ



अ



ब



स



ड



इ



फ



ग



ह

चित्र १: अ-ह: विदाई सत्र की झलकियाँ

# प्रिंट मीडिया कवरेज

## दिनांक: 06.03.2026

### अखबार: न्यूज़लिक, आइजोल

## ICFRE-BRC launches green skills training on composting and apiculture in Aizawl



**Staff Reporter**  
Aizawl, March 5: The Indian Council of Forestry Research and Education-Bamboo and Rattan Centre (ICFRE-BRC), Aizawl on Thursday launched a two-day Green Skills Training programme on "Introduction to Composting and Apiculture" under the Van Vigyan Kendra (VVK), Aizawl, with participation from local residents keen to learn sustainable livelihood practices.

The training programme, which began at the centre's premises, is being attended by 20 participants from Bethlehem Vengthlang locality in Aizawl. The initiative aims to equip the participants with practical knowledge and technical skills in composting and beekeeping so that they can establish small-scale units and generate income through environmentally sustainable practices.

During the two-day programme, participants will attend a series of technical sessions and hands-on demonstrations covering compost preparation, vermicomposting techniques and modern apiculture practices. The training is designed to provide both theoretical understanding and practical exposure to the participants.

The inaugural session began with a welcome address by Sandeep Yadav, Scientist-D and Head of ICFRE-BRC, who gave an overview of the centre's research and extension activities. He highlighted the institution's role in promot-

ing sustainable resource management and livelihood opportunities through scientific knowledge and community outreach programmes.

Nitin Kulkarni, Director of the Rain Forest Research Institute (RFRI), Jorhat, joined the inaugural programme through video conferencing and delivered the keynote address. In his remarks, he spoke about the close relationship between ecological sustainability and agricultural practices, particularly the role of effective waste management in improving soil health.

Kulkarni emphasised the importance of vermicomposting in supporting organic farming systems and maintaining soil fertility over the long term. He also highlighted the crucial role played by bees as natural pollinators that support crop productivity and biodiversity. Honey, he noted, has significant economic potential and is widely used in the pharmaceutical and food industries.

The chief guest of the programme, JH Lalbiakliana, Chief Executive Officer of the Mizoram Khadi and Village Industries Board (MKVIB), spoke about the board's ongoing efforts to promote apiculture across the state. He said MKVIB has been actively providing training programmes to encourage scientific beekeeping practices among local communities.

Lalbiakliana pointed out that adopting scientific methods of beekeeping is essential for improving honey

production and ensuring sustainability in the sector. He further noted that apiculture has been identified as a key focus area under the state government's "Hand Holding Policy," a flagship initiative aimed at strengthening the local economy and supporting entrepreneurs and small-scale producers.

Guest of honour PC Vanlalpeki, Local Council Member of Bethlehem Vengthlang, encouraged the participants to make full use of the training opportunity and view green skills as a pathway to financial independence. She said specialised skills such as composting and beekeeping can open doors to self-employment and help individuals build sustainable livelihoods.

Vanlalpeki also underlined the growing importance of skill-based employment in today's economy and urged the participants to apply the knowledge gained during the training for the benefit of their community.

The inaugural programme concluded with a vote of thanks delivered by Subhprada Behera, Scientist-B at ICFRE-BRC, who expressed appreciation to the dignitaries, organisers and participants for their involvement in the training programme. She also reiterated the centre's commitment to promoting environmentally sustainable practices and supporting livelihood opportunities through scientific research and capacity-building initiatives.

# सोशल मीडिया कवरेज

## दिनांक: 05.03.2026

### डी डी न्यूज़, मिज़ोरम



DD News Mizoram · Follow

5 March at 17:52 · 🌐

Aizawl March 5, 2026 : He training ah hian Bethlehem Vengthlang Local Council huamchhung a mi thlan chhuah bik mi 20 te tel in, ei bang ningnawi leh bawlhhlawh tawih thei atang a leitha siam dan leh khuai khawi dan inzirtirna hun hman a ni. Pu Sandeep Yadav, Scientist-D & Head, ICFRE-BRC chuan kalkhawmte lawm na thu sawiin, Pu JH Lalbiakliana, CEO, Mizoram Khadi and Village Industries Board (MKVIB), Govt of Mizoram chu khuallian niin, Pi PC Vanlalpeki, Treasurer, Local Council Bethlehem Vengthlang chu khaul zahawm a ni bawk. He hun hi Dr. Nitin Kulkarni, Director, ICFRE-RFRI, Jorhat chuan Online hmangin a telpui bawk.

Khuallian Pu JH Lalbiakliana chuan, Sorkar hmalakna (Hand holding Policy) kal mek ah khuai khawi chu tel in, eizawnna tha zawk leh rintlak zawk siam turin Sorkar chuan hma a la mek tih sawiin, hralh chhuah dan tur ah pawh mumal zawk a kalpui dan tur ruahmanna siam mek a nih thu a sawi.

#ddnewsmizoram



## Brief Summary

<b>Name of Event</b>	Two-day Green Skills Training: Introduction to Composting and Apiculture under Van Vigyan Kendra(VVK), Mizoram
<b>Date(s)</b>	05.03.2026 to 06.03.2026
<b>Duration</b>	02 Days
<b>Venue</b>	ICFRE-BRC, Aizawl, Mizoram
<b>No. of Participants</b>	20
<b>Participating Agency(s)</b>	Local women from Bethlehem Vengthlang
<b>Organizing Agency(s)</b>	ICFRE-Bamboo & Rattan Centre, Bethlehem Vengthlang, Aizawl, Mizoram
<b>Funding Agency(s)</b>	Indian Council of Forestry Research & Education (ICFRE), Dehradun (under CAMPA Extension)
<b>Guest of Honour</b>	Smt PC Vanlalpeki, Treasurer, Local Council, Bethlehem Vengthlang
<b>Chief Guest</b>	Shri JH Lalbiakliana, CEO, Mizoram Khadi and Village Industries Board

## Detailed Description

The **ICFRE-Bamboo and Rattan Centre, Aizawl** organized a two-day Green Skills Training on '**Introduction to Composting and Apiculture**' from **05<sup>th</sup> to 06<sup>th</sup> March 2026** under the **Van Vigyan Kendra (VVK), Aizawl**. The programme aimed to promote sustainable livelihood opportunities through skill development in composting and beekeeping. A total of 20 participants from Bethlehem Vengthlang locality of Aizawl attended the training.

### **Day 1 (05.03.26):**

Inaugural Session:

The programme commenced with a welcome address by **Shri Sandeep Yadav**, Scientist-D & Head of ICFRE-BRC, who highlighted the Centre's ongoing activities and its commitment to promoting sustainable livelihoods through scientific and community-oriented interventions.

The keynote address was delivered virtually by **Dr. Nitin Kulkarni**, Director, ICFRE-Rain Forest Research Institute, Jorhat. He emphasized the ecological importance of integrating waste management with agriculture, particularly highlighting:

- The role of vermicomposting in improving soil health and supporting organic farming.
- The importance of bees as pollinators in maintaining biodiversity and supporting agricultural productivity.
- The growing value of honey in the pharmaceutical and health sectors.

### **Addresses by Dignitaries:**

The Guest of Honour, **Smt. PC Vanlalpeki**, Treasurer, Local Council, Bethlehem Vengthlang, encouraged participants to utilize green skills as opportunities for self-employment and financial independence, highlighting the growing relevance of skill-based livelihoods.

The Chief Guest, **Shri JH Lalbiakliana**, CEO of the Mizoram Khadi and Village Industries Board (MKVIB), spoke about the Board's initiatives in promoting apiculture across Mizoram. He emphasized the need to adopt scientific beekeeping practices to enhance productivity and sustainability. He also noted that apiculture has been prioritized under the Hand Holding Policy of the Government of Mizoram to strengthen the local economy.

The session concluded with a vote of thanks delivered by **Shri Subhaprada Behera**, Scientist-B, ICFRE-BRC.

### **Technical Sessions:**

A detailed presentation on 'Waste to Wealth and Health: A Sustainable Approach through Home Composting' was delivered by **Shri Rajarishi Bhattacharyya**, Senior Technical Officer, ICFRE-RFRI, Jorhat highlighting the issues of waste management through circular economy through the development of entrepreneurship.

The hands-on training on composting were conducted by **Shri Lalvensanga Pachuau**, Farm Manager, KVK, Aizawl.

### **Day 2 (06.03.26):**

On the second day, participants received in-depth training on key aspects of apiculture, including bee management, hive maintenance, and honey production. The technical session was conducted by **Shri Malsawmtluanga**, Master Apiculturist, ITI, who shared valuable practical insights and experiences in beekeeping.

The training programme concluded with a feedback session, where participants shared their learning experiences and expressed confidence in applying the acquired skills. Certificates were distributed to all participants, marking the successful completion of the training.

## Glimpses of Day 1: Inaugural Session



Figure 1: A-H: Glimpses of the Inaugural Session

## Glimpses of Day 1: Technical Session



Figure 1: A-H: Glimpses of the hands-on training session

## Glimpses of Day 2



A



B



C



D



E



F



G



H

Figure 1: A-H: Glimpses of the valedictory session

## Print Media Coverage

Date: 06.03.2026

Newspaper: NEWSLINK, Aizawl

### ICFRE-BRC launches green skills training on composting and apiculture in Aizawl



**Staff Reporter**  
Aizawl, March 5: The Indian Council of Forestry Research and Education-Bamboo and Rattan Centre (ICFRE-BRC), Aizawl on Thursday launched a two-day Green Skills Training programme on "Introduction to Composting and Apiculture" under the Van Vigyan Kendra (VVK), Aizawl, with participation from local residents keen to learn sustainable livelihood practices.

The training programme, which began at the centre's premises, is being attended by 20 participants from Bethlehem Vengthlang locality in Aizawl. The initiative aims to equip the participants with practical knowledge and technical skills in composting and beekeeping so that they can establish small-scale units and generate income through environmentally sustainable practices.

During the two-day programme, participants will attend a series of technical sessions and hands-on demonstrations covering compost preparation, vermicomposting techniques and modern apiculture practices. The training is designed to provide both theoretical understanding and practical exposure to the participants.

The inaugural session began with a welcome address by Sandeep Yadav, Scientist-D and Head of ICFRE-BRC, who gave an overview of the centre's research and extension activities. He highlighted the institution's role in promot-

ing sustainable resource management and livelihood opportunities through scientific knowledge and community outreach programmes.

Nitin Kulkarni, Director of the Rain Forest Research Institute (RFRI), Jorhat, joined the inaugural programme through video conferencing and delivered the keynote address. In his remarks, he spoke about the close relationship between ecological sustainability and agricultural practices, particularly the role of effective waste management in improving soil health.

Kulkarni emphasised the importance of vermicomposting in supporting organic farming systems and maintaining soil fertility over the long term. He also highlighted the crucial role played by bees as natural pollinators that support crop productivity and biodiversity. Honey, he noted, has significant economic potential and is widely used in the pharmaceutical and food industries.

The chief guest of the programme, JH Lalbiakliana, Chief Executive Officer of the Mizoram Khadi and Village Industries Board (MKVIB), spoke about the board's ongoing efforts to promote apiculture across the state. He said MKVIB has been actively providing training programmes to encourage scientific beekeeping practices among local communities.

Lalbiakliana pointed out that adopting scientific methods of beekeeping is essential for improving honey

production and ensuring sustainability in the sector. He further noted that apiculture has been identified as a key focus area under the state government's "Hand Holding Policy," a flagship initiative aimed at strengthening the local economy and supporting entrepreneurs and small-scale producers.

Guest of honour PC Vanlalpeki, Local Council Member of Bethlehem Vengthlang, encouraged the participants to make full use of the training opportunity and view green skills as a pathway to financial independence. She said specialised skills such as composting and beekeeping can open doors to self-employment and help individuals build sustainable livelihoods.

Vanlalpeki also underlined the growing importance of skill-based employment in today's economy and urged the participants to apply the knowledge gained during the training for the benefit of their community.

The inaugural programme concluded with a vote of thanks delivered by Subhaprada Behera, Scientist-B at ICFRE-BRC, who expressed appreciation to the dignitaries, organisers and participants for their involvement in the training programme. She also reiterated the centre's commitment to promoting environmentally sustainable practices and supporting livelihood opportunities through scientific research and capacity-building initiatives.

# Social Media Coverage

Date: 05.03.2026

DD News, Mizoram



DD News Mizoram · Follow

5 March at 17:52 · 🌐

Aizawl March 5, 2026 : He training ah hian Bethlehem Vengthlang Local Council huamchhung a mi thlan chhuah bik mi 20 te tel in, ei bang ningnawi leh bawlhhlawh tawih thei atang a leitha siam dan leh khuai khawi dan inzirtirna hun hman a ni. Pu Sandeep Yadav, Scientist-D & Head, ICFRE-BRC chuan kalkhawmte lawm na thu sawiin, Pu JH Lalbiakiana, CEO, Mizoram Khadi and Village Industries Board (MKVIB), Govt of Mizoram chu khuallian niin, Pi PC Vanlalpeki, Treasurer, Local Council Bethlehem Vengthlang chu khaul zahawm a ni bawk. He hun hi Dr. Nitin Kulkarni, Director, ICFRE-RFRI, Jorhat chuan Online hmangin a telpui bawk.

Khuallian Pu JH Lalbiakiana chuan, Sorkar hmalakna (Hand holding Policy) kal mek ah khuai khawi chu tel in, eizawna tha zawk leh rintlak zawk siam turin Sorkar chuan hma a la mek tih sawiin, hralh chhuah dan tur ah pawh mumal zawk a kalpui dan tur ruahmanna siam mek a nih thu a sawi.

#ddnewsmizoram

